सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 229 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 25 सितम्बर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।

-सम्राट अशोक

मप्र में अराजकता सीएम ने साधी... 7 | वन नेशन वन इलेक्शन बढ़ाएगी... 3 | भाजपा सरकार की वजह खराब... 2

दूसरे चरण में जम्मू-कश्मीर में विवादों के बीच जमकर मतदान

- विदेशी राजनयिकों के दौरे पर जताई विपक्षी दलों ने नाराजगी
- उमर, महबूबा व राहुल ने की ज्यादा से ज्यादा वोटिंग की अपील
- दोपहर तक लगभग 37 प्रतिशत मतदान
- उमर, रैना व कर्रा की किस्मत ईवीएम में बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

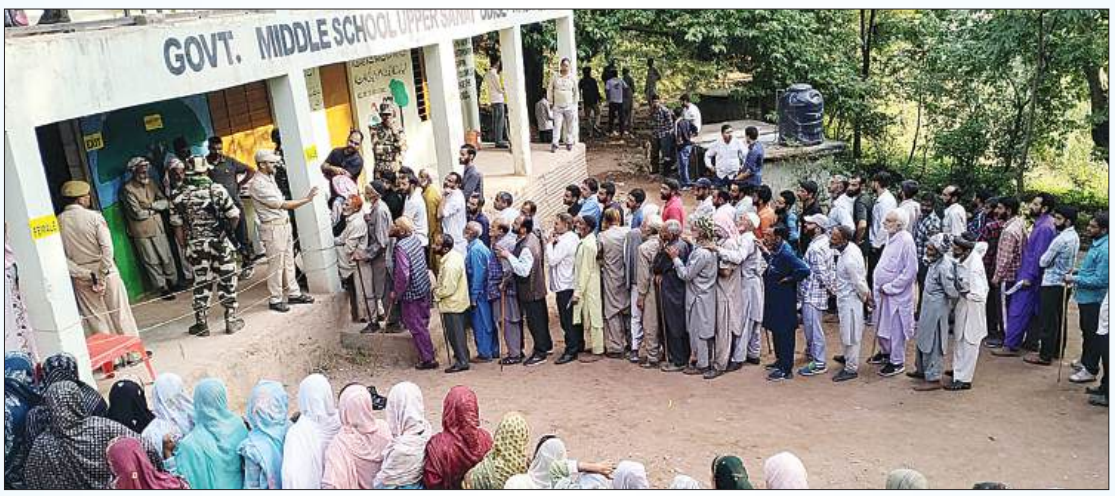

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहा है। राज्य में पहले चरण का मतदान सम्पन्न हो चुका है। दूसरे चरण के लिए 26 विधानसभा सीटों पर बुधवार को मतदान जारी है। इस चरण में मतदान धीमी गति से हो रहा है। हालांकि शाम तक वोटिंग बढ़ने के आसार हैं। वहीं कु छ जगहों पर लोग वोट डालने नहीं जा रहे हैं। इस बीच कुछ जगहों पर हल्काफुल्का बवाल भी देखने को मिला।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों का निरीक्षण करने के लिए विदेशी प्रतिनिधियों को आमंत्रित करने के केंद्र के निर्णय की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव भारत का आतंरिक मामला है और मुझे नहीं पता कि विदेशियों के यहां चुनाव प्रक्रिया का जायजा लेने, निगरानी करने के लिए क्यों बुलाया जाना चाहिए था।दूसरे चरण में 25 लाख से अधिक मतदाता 239 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। दोपहर 1 बजे तक 36.93 फीसदी वोटिंग हुई है। पहले चरण में 24 सीटों पर 18 सितंबर को मतदान हुआ था।

उमर ने कांग्रेस को दी नसीहत

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वोट डालने के बाद कहा क मुझे उम्मीद है कि राहुल कश्मीर में एक या दो सीटों पर प्रचार खत्म करने के बाद जम्मू में ध्यान केंद्रित करेंगे। अंततः कांग्रेस कश्मीर में क्या करती है, यह महत्वपूर्ण नहीं है। जम्मू में कांग्रेस क्या करती है, यह महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्य से, कांग्रेस ने जम्मू के मैदानी इलाकों में उतना कुछ नहीं किया है जितना हम उनसे उम्मीद करेंगे। आज दूसरे चरण का मतदान चल रहा है। मतदाता बड़ी संख्या में वोटिंग कर रहे हैं। मुझसे हमेशा पूछा जाता है कि हमारी अपेक्षाएं क्या हैं। कोई भी उम्मीदवार हारने के लिए चुनाव नहीं लड़ता। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि आज अधिकतम वोट एनसी उम्मीदवारों को मिलेंगे और जहां कोई एनसी उम्मीदवार नहीं है, हमारे साथ गठबंधन में कांग्रेस के उम्मीदवार हैं और वोट उनके लिए होना चाहिए।

पीडीपी के बिना कोई सरकार नहीं बनेगी : महबूबा

पीडीपी अध्यक्ष महब्बोबा मुफ्ती आरएस पुरा में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। पहले कोई अपराध नहीं होता था लेकिन अब स्थिति बदल गयी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह आपको तय करना है कि आप इससे कैसे बाहर निकलना चाहते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर डॉक्टर हमें अच्छा इलाज नहीं दे रहा है तो हमें उसे बदल देना चाहिए। मुफ्ती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन परिवारों वाली टिप्पणी पर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि जब नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने पाकिस्तान में शामिल होने की बात की थी, तो वह मुफ्ती मोहम्मद सईद ही थे जिन्होंने कश्मीर में भारतीय ध्वज को ऊंचा उठाया था। सरकार धर्मनिरपेक्ष होगी और पीडीपी के बिना जम्मू-कश्मीर में कोई सरकार नहीं बनेगी। दक्षिण कश्मीर में हुए (पहले चरण के) चुनाव में पीडीपी नंबर एक पार्टी बनकर उभर रही है।

इस चरण में कई दिग्गज मैदान में

चुनावी रण में कई दिग्गज भी ताल ठोक रहे हैं। इस चरण के लिए मुख्य नाम नेका के उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा और भाजपा जम्मू-कश्मीर प्रमुख प्रमुख रविंदर रैना हैं। बता दें कि दूसरे चरण के लिए 3502 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। इस चरण में करीब 25 लाख से अधिक मतदाता उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। दूसरे चरण के लिए जम्मू संभाग के तीन और कश्मीर घाटी के तीन जिलों में वोटिंग जारी है।

यह चुनाव इतिहास बनाने जा रहा : चुनाव आयुक्त

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा ने कहा कि लोग बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए निकल रहे हैं। यह चुनाव इतिहास बनाने जा रहा है। हमें बहुत खुशी है कि पूरी घाटी और जम्मू में उत्साह के साथ मतदान हो रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे वह श्रीनगर की घाटी हो, चाहे वह ऊंची पर्वत चोटियां हों जहां से व्यवधान के आह्वान आते थे, हर जगह लोग मतदान करने के लिए निकल रहे हैं। यहां तक कि उन इलाकों में भी जहां से बहिष्कार के आह्वान होते थे, मतदाताओं में उत्साह है। यह दुनिया को देखना है कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कैसे हो सकते हैं।

चारों तरफ से घिरने के बाद कंगना रनौत ने टेके घुटने

- कृषि कानूनों पर दिये बयान पर खेद जताया
- बीजेपी समेत विपक्ष के निशाने पर थीं सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हरियाणा और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के बीच कृषि कानूनों पर बीजेपी सांसद कंगना रनौत का बयान भारतीय जनता पार्टी की परेशानी बढ़ाता हुआ नजर आ रहा है। इस बीच उन्होंने अपने बयान पर खेद जताया है। मंडी से सांसद कंगना रनौत ने कहा, पिछले कुछ दिनों में मीडिया ने मुझसे कृषि कानूनों पर सवाल किए, मैनें इस दौरान कृषि कानून वापस लाने का सुझाव दिया।

मेरी इस बात से बहुत सारे लोग निराश हैं, जब कृषि कानून आया तो बहुत सारे लोगों ने इसका समर्थन किया, लेकिन बड़े ही संवेदनशीलता और सहानुभूति से हमारे प्रधानमंत्री ने ये लॉ वापस ले लिया।

शब्दों की गरिमा रखूंगी

उन्होंने आगे कहा, हम सभी कार्यकर्ताओं का कर्तव्य बनता है कि उनके शब्दों की गरिमा रखें। मुझे ये बात भी ध्यान रखना होगा कि मैं सिर्फ एक कलाकार नहीं हूं, बीजेपी की कार्यकर्ता हूं, मेरी राय अपनी नहीं होनी चाहिए, पार्टी का स्टैंड होना चाहिए। अगर मैंने अपने शब्दों और सोच से किसी को निराश किया है तो हमें खेद रहेगा, हम अपने शब्द वापस लेते हैं।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बदलापुर कांड के आरोपी के एनकाउंटर पर उठाए सवाल

- अदालत बोली- मुठभेड़ में पहली नजर में गड़बड़ी है
- पिस्तौल पर उंगली के निशान की जांच की जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बदलापुर कांड के आरोपी अक्षय शिंदे के एनकाउंटर का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इधर अक्षय के पिता की ओर से दायर याचिका पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई की। इस दौरान हाई कोर्ट ने कई ऐसे सवाल खड़े किए, जिनके जवाब पुलिस नहीं दे पाई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सवाल उठाने के साथ यहां तक कहा कि इसे एनकाउंटर नहीं कहा जा सकता।

हाई कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में गड़बड़ी है। बदलापुर केस में आरोपी अक्षय शिंदे के पिता की याचिका पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई की। पुलिस ने दावा किया था कि अक्षय शिंदे ने हिरासत से भागने का प्रयास किया। पुलिस को रिवॉल्वर छीनी और जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी।

अक्षय के पिता ने दायर की याचिका

अक्षय के पिता अन्ना शिंदे ने को वकील अमित कटरनवरे के माध्यम से दायर याचिका में आरोप लगाया है कि उनके बेटे अक्षय शिंदे को फर्जी मुठभेड़ में मारा गया। उन्होंने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) की मांग की।

बंदूक अनलॉक क्यों थी?

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक के बाद एक कई सवाल उठाए। बेंच ने कहा कि इसे एनकाउंटर नहीं कहा जा सकता है। यह पहली नजर में ही गड़बड़ी है। एक कमजोर आदमी फायर नहीं कर सकता है। हाई कोर्ट ने यह भी सवाल किया कि पुलिस की बंदूक अनलॉक क्यों थी? हाई कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि अगर आरोपी ने भागने की कोशिश की तो उसके सिर पर गोली क्यों मारी गई? हाथ या पैर पर गोली क्यों नहीं मारी गई?

सिर में क्यों मारी गई गोली

हाई कोर्ट कहा कि पहली नजर में एनकाउंटर में गड़बड़ी नजर आ रही है। कोर्ट ने पूछा कि आरोपी के सिर में क्यों गोली मारी गई ? अगर मुठभेड़ में तीन गोली चली, एक आरोपी को लगी लगी तो दो कहां गई? चार पुलिसकर्मी आरोपी को काबू क्यों नहीं कर सके । कोर्ट ने कहा कि हाथ या पैर में गोली मारनी चाहिए थी। पुलिस को पता है कि कहां गोली मारनी है। इसे एनकाउंटर नहीं कह सकते हैं। एक आम आदमी गोली नहीं चला सकता है। पिस्तौल पर उंगली के निशान की जांच किया जाना जरूरी है।

भाजपा सरकार की वजह से खराब हो रही प्रदेश की छवि : अखिलेश

» बोले- बीजेपी के लिए काम कर रही है पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बीजेपी व योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। सपा मुखिया ने कहा कहा कि प्रदेश में कानून का राज नहीं रह गया है। भाजपा सरकार ने प्रदेश को अराजकता में ढकेल दिया है। भ्रष्टाचार, बजट की लूट, निर्दोषों पर झूठे मुकदमे, फर्जी एनकाउंटर, बढ़ते अपराधों से प्रदेश की छवि खराब हो रही है। इसके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है।

पुलिस प्रशासन मनमानी पर उतारू है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सात साल के शासनकाल में ऐसा माहौल बना दिया है कि आज कोई भी खुद को सुरक्षित नहीं महसूस कर रहा है। पुलिस अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें सजा दिलाने के बजाय भाजपा के राजनीतिक एजेंडे के लिए काम कर रही है।

मतदाताओं के नाम कटवा रही भाजपा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कटवाने का आरोप लगाया है। उन्होंने मुरादाबाद के कुंदरकी के कुछ लोगों द्वारा उनका वोट काटे जाने के विरोध का वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि यूपी की 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में अपनी संभावित हार से बचने के लिए भाजपा एक तरफ मनचाहे तबादले करवा रही है तो दूसरी तरफ जायज मतदाताओं के नाम कटवा रही है। उन्होंने कहा कि साजिशें हार की निशानी होती हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से इस मामले का संज्ञान लेने का अनुरोध भी किया है।

असली अपराधियों और घटनाओं के दोषियों की जगह गरीब निर्दोषों पर झूठे मुकदमे लादकर प्रताड़ित किया जा रहा है। अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा का जीरो टॉलरेंस का दावा झूठा साबित हो चुका है। भाजपा के नेता, पदाधिकारी, विधायक खुद स्वीकार रहे हैं कि इतना भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं रहा। मुख्यमंत्री को अब शासन-प्रशासन के कुशासन को स्वीकार लेना चाहिए। इनके विधायक ही पुलिस कमिश्नरेट को कमीशन रेट की उपाधि दे रहे हैं। दरअसल, भाजपा राज में कमिश्नरेट करप्शनरेट बन गये हैं। यह वसूली का विकेंद्रीकरण है। जनहित में कोई काम नहीं हो रहा है। विकास कार्य ठप है। जनता बाढ़, जंगली जानवर और बीमारियों से त्रस्त है।

सपा सांसद आरके चौधरी को नोटिस

मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र से जीते सपा सांसद आरके चौधरी के चुनाव को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने उन्हें नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की एकल पीठ ने मंगलवार को यह आदेश मतदाता ज्ञानी की चुनाव याचिका पर दिया। इसमें चुनाव जीतने के लिए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) का मुद्दा उठाने को चुनाव कानून के तहत भ्रष्ट आचरण अपनाने का आरोप लगाया है। अगली सुनवाई 19 नवंबर को होगी। याची के अधिवक्ता हरिशंकर जैन का कहना था कि आरके चौधरी ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के प्रावधानों का उल्लंघन किया, जिससे चुनाव कथित भ्रष्ट आचरण से प्रभावित हुआ। कई साक्षात्कारों का जिक्र कर कहा कि प्रत्याशी चौधरी समेत सपा के मुखिया ने भी पीडीए की अवधारणा को बड़े पैमाने पर जनता के सामने पेश किया।

प्रसाद में मिलावट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : चिराग

» केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री बोले- दोषियों को नहीं बख्शेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोजपा (रामविलास) प्रमुख और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट के मामले पर कहा कि मिलावट पर किसी तरह का समझौता नहीं कर सकते हैं। मिलावट अक्षम्य अपराध है, तेजी से सारी कमियां दूर करने का काम कर रहे हैं, सरकार पूरी तरीके से प्रतिबद्ध है।

चिराग पासवान ने कहा कि हम लोग वैल्यू एडिशन के बारे में सोच रहे हैं, ऐसी घटनाओं को न हल्के में लिया है न लेंगे। एफएसएसएआई भी तिरुपति मामले में जांच कर रहा है। चिराग पासवान ने पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि जगन सरकार ने कुछ ऐसे फैसले लिए जिसकी वजह से ऐसी घटना सामने आई, सवाल तो खड़े होंगे ही।

मजबूती से यूपी के मुख्यमंत्री के साथ

यूपी सरकार के खाने-पीने की दुकानों पर नाम लिखने के फैसले पर चिराग पासवान ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के फैसले के साथ मैं मजबूती से हूं। नाम का नियम पहले से ही है। ये गुणवत्ता, साफ-सफाई लोगों के विश्वास के साथ जुड़ी हुई है।

बिहार में डबल इंजन की सरकार

चिराग पासवान ने कहा कि किसी को किसी की जमीन हड़पने नहीं देंगे। बिहार में डबल इंजन की सरकार है, हर संभव हर व्यक्ति की मदद की जाएगी। लैंड रिकॉर्ड ठीक नहीं हुए तो इसका दुरुपयोग संभव है, कुछ समय की तकलीफ जरूर होगी, जो सही है उनकी मदद सरकार जरूर करेगी। उनको डरने की जरूरत नहीं है. मानवता की दृष्टि से भी हमलोग फैसला लेंगे।

अपनी ही सरकार की योजना पर भाजपा विधायक ने उठाया सवाल, मचा बवाल

» विधायक टेकचंद ने कहा- चुनावों के लिए आई लाडली बहन योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भाजपा विधायक टेकचंद सावरकर के एक विवादास्पद बयान के बाद महाराष्ट्र सरकार की 'लड़की बहिन योजना' को लेकर विवाद खड़ा हो गया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि यह योजना आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में वोट हासिल करने के लिए शुरू की गई थी, जो इस साल के अंत में होने की संभावना है।

लाडली बहन योजना का उद्देश्य महिलाओं, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की महिलाओं की सहायता करना है। जून के अंत में राज्य के बजट में पेश की गई मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना के तहत 21 से 65 वर्ष की वंचित महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये दिए जाएंगे। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना योजना को 30 सितंबर तक बढ़ाया है।

सीएम नीतीश को अब रिटायरमेंट लेना चाहिए : सहनी

» बोले वीआईपी अध्यक्ष- मुख्यमंत्री जी सत्ता हम जैसी नई पीढ़ी को सौंप दीजिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दरभंगा। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सुप्रीमो मुकेश सहनी ने दरभंगा में बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी द्वारा सोशल मीडिया पर लिखी गई कविता का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अशोक चौधरी ने तो सही बातों को लिखा है। आगे उन्होंने कहा कि हरेक व्यक्ति की एक उम्र होती है, जिसमें शारीरिक तौर पर सोचने-समझने की क्षमता होती है।

माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार काफी लंबे समय से बिहार को चला रहे हैं। आप लोग देख रहे हैं कि हाल के दिनों में मुख्यमंत्री जी ने कुछ ऐसे

बयान दिए हैं, जो देश और दुनिया के बीच चर्चा का विषय बने हुए थे। बढ़ती हुई उम्र के कारण बहुत सारी बातें वह भूल जाया करते हैं। मुकेश सहनी ने चुटकी लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार की कमान हम जैसे लोगों को सौंप देनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी को अपने सेवा काल का खुशी पूर्वक समापन करते हुए सत्ता से रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। यह बात तो अब उनकी पार्टी के नेता सह बिहार सरकार के मंत्री भी कहने लगे हैं। अब मुख्यमंत्री को सत्ता नई पीढ़ी को सौंप देनी चाहिए। बढ़ती उम्र में इन्हें छोड़ दीजिए।। एक दो बार समझाने से यदि कोई नहीं समझ रहा है तो सामने वाले को समझाना, छोड़ दीजिए बच्चे बड़े होने पर वो खुद के निर्णय लेने लगे तो उनके पीछे लगना, छोड़ दीजिए।

दलितों और पिछड़ों के साथ भेदभाव करते हैं सीएम

जहानाबाद जिले के कल्पा पंचायत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम पर माले विधायक रामबली सिंह यादव ने गंभीर आरोप लगाए हैं। घोसी विधानसभा के माले विधायक रामबली सिंह यादव ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को जनता के पैसों का दुरुपयोग बताया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान दलित, महादलित और अति पिछड़ा समुदाय के लोगों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया गया। विधायक यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम में दलित और महादलित परिवारों के लोग चिलचिलाती धूप में अपनी समस्याएं सुनाने के लिए पहुंचे थे। लेकिन उन्हें नजरअंदाज किया गया और यहां तक कि उन्हें उनके घरों में बंद कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने उनकी ओर देखना भी मुनासिब नहीं समझा।

अशोक चौधरी की कविता का किया समर्थन

विकासशील पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी ने यह बातें मंत्री अशोक चौधरी द्वारा सोशल मीडिया एक्स पर लिखी कविता को लेकर कही हैं। मंत्री अशोक चौधरी ने एक्स पर लिखा था कि बढ़ती उम्र में उन्हें छोड़ दीजिए, एक दो बार समझाने से कोई नहीं समझे तो सामने वाले को समझाना छोड़ दीजिए। बच्चे खुद से बड़े होकर खुद के फैसले लेने लगें तो उनके पीछे लगना छोड़ दीजिए, गिने चुने लोगों से विचार मिलते हैं एक दो से नहीं तो उन्हें छोड़ देना चाहिए।

झारखंड विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू

» आयोग ने लिया तैयारियों का जायजा, सियासी दलों के साथ बैठक की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। झारखंड में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉक्टर एसएस संधू रांची पहुंचे हुए हैं। उन्होंने अपने दौरे के पहले दिन रांची में लगभग 20 केंद्रीय और राज्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को प्रलोभन मुक्त तरीके से संपन्न कराने के लिए चुनाव तैयारियों की समीक्षा की।

12 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल दो दिन लगातार 5 मैराथन बैठक करके राज्य में चुनावी तैयारियों का जायजा लेगा। प्रतिनिधिमंडल से छह राष्ट्रीय पार्टियों, भाजपा, कांग्रेस, माकपा, आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी और क्षेत्रीय पार्टी व राज्य की सत्ता पर काबिज झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन के नेताओं ने आयोग के समक्ष अपनी बात रखी। आयोग ने विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के साथ बैठक की है, ताकि चुनाव से पूर्व और दौरान पारदर्शिता और धन शोधन सरीखी गतिविधियों को नियंत्रण में रखा जा सके। आयोग मंगलवार को पुलिस और प्रशासन के साथ चुनावी तैयारियों का जायजा लेगा। और इसके बाद एक मीडिया संवाद होगा। इस दौरे के बाद आयोग अक्तूबर में चुनाव की तारीखों का एलान कर देगा।

वन नेशन वन इलेक्शन बढ़ाएगी बीजपी की टेंशन!

संसद में आसान नहीं होगा कानून पास करवाना

- विपक्ष ने कहा ये भाजपा का नया शिगूफा
- कोविंद समिमि की सिफारिशें सरकार ने मानी
- ससंद में केंद्र सरकार को 362 सदस्यों का समर्थन चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभी हाल ही में केंद्र की एनडीए सरकार ने वन नेशन व इलेक्शन को मंजूरी दे दी है। पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में रामनाथ कोविंद समिति की सिफारिशों को लागू करने का फैसला किया है। हालांकि इसको लेकर सियासत भी गरमाई है। विपक्ष ने इसे बीजेपी का शिगूफा बताते हुए कहा कि जब बहुमत है नहीं तो इस कानून को पास कैसे करवाएंगे। उधर कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी व सपा ने तंज कसते हुए कहा बीजेपी अपने संगठन के चुनाव तो एक साथ करवा नहीं पा रही है वह पूरे देश का चुनाव कैसे एक साथ करवाएगी।

उधर विशेषज्ञों का कहना है इसको लागू करना मोदी सरकार के लिए आसान नहीं होगा। मोदी सरकार कई चुनौतियों से पड़ेगा निपटना? वन नेशन-वन इलेक्शन पर कोविंद कमेटी को कैबिनेट के मंजूरी मिलने के बाद मोदी सरकार की राह अभी आसान नहीं है। 2029 तक देशभर में एक साथ चुनाव कराने के लिए सरकार को काफी मेहनत करनी पड़ेगी। कई मुद्दों पर तो आम सहमति बनाने होगी। वहीं कुछ संशोधन में राज्य विधानसभाओं के अनुमोदन की जरूरत पड़ेगी। उम्मीद जताई जा रही है कि शीतकालीन सत्र में मोदी सरकार संसद में संशोधन विधेयक पेश कर सकती है। कोविंद कमेटी ने 18 संवैधानिक संशोधनों की सिफारिश की है। यानी संविधान में संशोधन करने की खातिर केंद्र सरकार को संसद में विधेयक लाना होगा। यहीं केंद्र सरकार की अग्निपरीक्षा है। हालांकि राहत की बात यह है कि अधिकांश संशोधनों में राज्य विधानसभाओं के अनुमोदन की जरूरत नहीं पड़ेगी। मौजूदा समय में एनडीए को 543 सदस्यीय लोकसभा में 293 व राज्यसभा में 119 सदस्यों का समर्थन है। मगर संविधान संशोधन प्रस्ताव को लोकसभा में साधारण बहुमत के साथ ही सदन में मौजूद व मतदान करने वाले दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन मिलना जरूरी है। अगर संविधान संशोधन के प्रस्ताव पर मतदान वाले दिन लोकसभा के सभी 543 सदस्य सदन में मौजूद रहते हैं तो केंद्र सरकार को 362 सदस्यों का समर्थन चाहिए। विपक्षी इंडी गठबंधन के लोकसभा में 234 सांसद हैं। अगर राज्यसभा की बात करें तो एनडीए के 113 सदस्य हैं और छह नामित सदस्य का भी समर्थन मिलना तय है। वहीं इंडी गठबंधन के उच्च सदन में 85 सदस्य हैं। मतदान वाले दिन यदि सदन में सभी सदस्य मौजूद होते हैं तो दो-तिहाई 164 होगा। यानी इतने सदस्यों का समर्थन मिलना जरूरी है।

बीजेपी रही तो चुनाव धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा : तेजस्वी यादव

राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि बिल आने पर हम संसद में अपना रुख तय करेंगे। उन्होंने कहा कि हम चुनाव के दौरान हमेशा कहते रहे हैं कि असंवैधानिक काम किया जा रहा है और लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। राजद नेता ने आगे कहा कि आज वे एक राष्ट्र एक चुनाव ला रहे हैं, कल वे एक राष्ट्र एक पार्टी और फिर एक राष्ट्र एक नेता कहेंगे। उन्होंने कहा कि हम कहते रहे हैं कि बीजेपी आएगी तो चुनाव धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा। झारखंड, दिल्ली और महाराष्ट्र के चुनाव अभी क्यों नहीं कराए गए? जाहिर है कि बीजेपी आएगी तो लोगों का वोट देने का अधिकार छिन जाएगा। इससे पहले राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि मेरी पार्टी हमेशा कहती है कि इस देश में एक देश एक चुनाव था, 1962 के बाद यह व्यवस्था टूट गई क्योंकि एक दल का प्रभुत्व समाप्त हो गया और कई क्षेत्रीय दलों ने राज्यों में सरकार बना ली। उन्होंने कहा कि अब अगर कोई सरकार गिर जाए तो आप क्या करेंगे? क्या आप राष्ट्रपति शासन लाएंगे? क्या आप अगले चुनाव तक राज्यपाल के माध्यम से सरकार चलाएंगे? लोगों का ध्यान बुनियादी मुद्दों से भटकाने के लिए ये लोग सजावटी चीजों में माहिर हैं। वे संघीय ढांचे की आत्मा को कुचलने की कोशिश कर रहे हैं, वे खत्म हो जाएंगे लेकिन यह विविधता बनी रहेगी। झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि यह देश संघीय ढांचे से चलता है। ये फैसले हमें साम्राज्यवाद की ओर धकेल रहे हैं। यह न तो संभव है और न ही व्यावहारिक। यह संविधान पर हमला है।

संविधान के पांच अनुच्छेदों में बदलाव की जरूरत

एक साथ चुनाव कराने के लिए संविधान, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 और लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं की प्रक्रिया के नियमों में संशोधन अनिवार्य है। इस कानूनी ढांचे में समकालिक मतदान की विशिष्ट आवश्यकताओं को समायोजित किया जाना चाहिए। देश में वननेशन-वन इलेक्शन की जरूरत है जो अनुच्छेद 83, 172, 174, 327 में बदलाव के बिना संभव नहीं। पहले 2018 में लॉ कमीशन की एक रिपोर्ट में भी वन-नेशन वन इलेक्शन के लिए इन अनुच्छेदों में बदलाव की सिफारिश की गई थी।

संसदीय समिति के रास्ते मिल सकती है सहमति

वन नेशन-वन इलेक्शन पर आम सहमति बनाने का एक रास्ता यह भी है कि सरकार संशोधन विधेयकों को संसदीय समिति में भेज दे। इन समितियों में विपक्षी सदस्य भी होते हैं। समिति में चर्चा के बाद इस मुद्दे पर आम सहमति बनाई जा सकती है। सरकार को पूरे देश में चुनाव एक साथ कराने की खातिर काफी मंथन करना होगा, क्योंकि राज्य विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग साल में होते हैं। ऐसे में कुछ राज्यों में समय से पहले और कुछ में देरी से चुनाव कराने होंगे। कोविंद कमेटी की सिफारिशों को आगे बढ़ाने की खातिर एक कार्यान्वयन समूह का गठन किया जाएगा। वहीं देशभर में विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। वन नेशन-वन इलेक्शन को दो चरणों में लागू किया जाएगा। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होंगे। इसके बाद 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव होंगे।

बीजद एक राष्ट्र एक चुनाव प्रस्ताव का अध्ययन करेगी : पटनायक

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने कहा कि उनकी पार्टी एक राष्ट्र, एक चुनाव पर कोई रूख अपनाने से पहले इस प्रस्ताव का विस्तृत अध्ययन करेगी। उन्होंने कहा, विवरण सामने आने दीजिए, हम अध्ययन करेंगे और फिर कोई निर्णय लेंगे। राज्य में नयी भाजपा सरकार के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए पटनायक ने कहा, पुरी में राज्यपाल के बेटे की घटना से ओडिशा में कानून-व्यवस्था की स्थिति किस तरह बिगड़ गई है, यह सभी देख सकते हैं।'उन्होंने कहा, ''हाल ही में राजधानी के एक प्रमुख पुलिस थाने में सेना के एक मेजर और उनकी मंगेतर के साथ हिंसक तरीके से दुर्व्यवहार किया गया। यह कोई अच्छा रिकॉर्ड नहीं है।

पक्ष में दो पार्टी व विपक्ष में 15 दल

छह राष्ट्रीय पार्टियों में से सिर्फ भाजपा और नेशनल पीपुल्स पार्टी एक साथ चुनावों के पक्ष में हैं। कांग्रेस, आप, बसपा और माकपा ने समेत 15 दलों ने इसका विरोध किया है। जिन पार्टियों ने कोविंद समिति के समक्ष एक साथ चुनाव का समर्थन किया था, लोकसभा में उनकी संख्या 271 है। वहीं विरोध करने वाले 15 दलों की संख्या लोकसभा में 205 है। लोकसभा में भाजपा के पास अपने दम पर बहुमत नहीं है। ऐसे में इस मुद्दे पर उसे अपने सहयोगी और विपक्षी दलों को भी साधना पड़ सकता है। वहीं कुछ संवैधानिक संशोधनों को राज्य विधानसभाओं के अनुमोदन की भी जरूरत पड़ेगी। ऐसे में सरकार के सामने इस मुद्दे पर आम सहमति बनाना सबसे बड़ी चुनौती होगी।एक मतदाता सूची और एक मतदाता पहचान पत्र से जुड़े संशोधनों का देश के आधे राज्यों की विधानसभा से अनुमोदन मिलना जरूरी है। केंद्र सरकार को इसमें राज्यों को भी शामिल करना होगा। वहीं स्थानीय निकाय चुनाव से जुड़े संशोधन पर भी आधे से अधिक राज्यों की सहमति जरूरी है। मौजूदा समय में भाजपा का एक दर्जन से अधिक राज्यों पर कब्जा है। मगर हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार और दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव के परिणामों की भूमिका अहम होगी।कोविंद कमेटी ने संविधान के अनुच्छेद 83 और 172 में संशोधन की सिफारिश की है। अनुच्छेद 83 लोकसभा और अनुच्छेद 172 राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को नियंत्रित करता है। इनमें संशोधन के बाद ही एक साथ चुनाव का रास्ता साफ होगा।

लोकसभा के साथ ही खत्म होगा कई राज्यों का कार्यकाल

आंध्र प्रदेश, अरुणाचल, ओडिशा और सिक्कम विधानसभा का कार्यकाल लोकसभा के साथ ही खत्म होगा। इसके अलावा हरियाणा और महाराष्ट्र का कार्यकाल 6 महीने बाद खत्म होगा। इन दो राज्यों में लगभग साढ़े छह महीने पहले विधानसभा भंग करनी होगी। जम्मू कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल भी करीब साढ़े छह महीने पहले खत्म हो जाएगा। झारखंड, बिहार और दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 4 साल का ही होगा। झारखंड में 8 महीने, दिल्ली में 9 महीने और बिहार में 16 महीने पहले विधानसभा को भंग करना होगा। 2026 में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में चुनाव होंगे. यानी कि इन राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल 3 साल ही रहेगा। साल 2027 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होंगे। इन राज्यों में विधानसभा का कार्यकाल 2 साल ही रहेगा। बाकी दस राज्य- हिमाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, कर्नाटक, तेलंगाना, मिजोरम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा का कार्यकाल एक साल या उससे भी कम का होगा। ये भी हो सकता है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा का कार्यकाल छह महीने बढ़ा दिया जाए, क्योंकि यहां दिसंबर 2028 में चुनाव होंगे।

10 देशों में है लागू है यह व्यवस्था

स्वीडन में पिछले साल सितंबर में आम चुनाव, काउंटी और नगर निगम के चुनाव एकसाथ कराए गए थे। इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, स्पेन, हंगरी, स्लोवेनिया, अल्बानिया, पोलैंड, बेल्जियम भी एक बार चुनाव कराने की परंपरा है। दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव एक साथ पांच साल के लिए होते हैं और नगरपालिका चुनाव दो साल बाद होते हैं। स्वीडन में राष्ट्रीय विधायिका (रिक्सडैग) और प्रांतीय विधायिका/काउंटी परिषद (लैंडस्टिंग) और स्थानीय निकायों/नगरपालिका विधानसभाओं (कोमुनफुलमकटीज) के चुनाव हर चौथे वर्ष सितंबर में एक निश्चित तिथि यानी दूसरे रविवार को होते हैं। ब्रिटेन में ब्रिटिश संसद और उसके कार्यकाल को स्थिरता और पूर्वानुमेयता की भावना प्रदान करने के लिए निश्चित अवधि संसद अधिनियम, 2011 पारित किया गया था। इसमें प्रावधान था कि पहला चुनाव 7 मई, 2015 को और उसके बाद हर पांचवें वर्ष मई के पहले गुरुवार को होगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

चुनौतियों को मात देगी 'आतिशी' पारी

वह महिला हैं, विश्वास पात्र हैं और पार्टी के प्रति पूर्ण वफादार भी हैं, इसलिए, वरना अरविंद केजीवाल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जैसा जाखिम जानबूझकर नहीं उठाते। उन दोनों ने भी कभी अपनी जगह जीतनराम मांझी और चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी थी, जिन्होंने कुछ महीनों में ही आंखें दिखानी शुरू कर दिया थी।

आतिशी दिल्ली की 8वीं और तीसरी महिला मुख्यमंत्री बन गईं। पार्टी ने बहुत सोच समझकर उन्हें ये पद सौंपा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि जिस तरह से उनसे पहले शीला दीक्षित व सुषमा स्वराज ने अपने कार्यकाल में दिल्ली का विकास किया था वैसे ही ये भी अपने काम से सबको पीछे छोड़ेंगी। हालांकि उनके पास समय बहुत कम है। वह एक अच्छी प्रशासक हैं। पर उनके सामने कई चुनौतियां हैं। पर जिस तरह से उन्होंने संगठन में जूझारूपन दिखाया है वैसा ही वह सीएम के रूम में करेंगी। वह महिला हैं, विश्वास पात्र हैं और पार्टी के प्रति पूर्ण वफादार भी हैं, इसलिए, वरना अरविंद केजीवाल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जैसा जाखिम जानबूझकर नहीं उठाते। उन दोनों ने भी कभी अपनी जगह जीतनराम मांझी और चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी थी, जिन्होंने कुछ महीनों में ही आंखें दिखानी शुरू कर दिया थी।

खैर, केजरीवाल भी इस कड़ी में शामिल होते, उसके लिए उन्होंने गंभीरता से होमवर्क करके ही अपनी सीट पर आतिशी को बैठाने का निर्णय लिया। फिलहाल दिल्ली की स्थिति बिहार-झारखंड जैसी नहीं हैं। क्योंकि दिल्ली में अगले चार-पांच महीनों के भीतर ही विधानसभा के चुनाव होने हैं। अब से कुछ समय बाद ही आचार संहिता लग जानी है। पार्टी कार्यकर्ता आतिशी की ताजपोशी को बेशक 'आतिशी पारी' कह रहे हों, पर चुनौतियों की भी कोई कमी नहीं है? सभी भली भांति जानते हैं कि नई मुख्यमंत्री के लिए करने को कुछ ज्यादा नहीं है। सिर्फ नाम भर की मुख्यमंत्री रहेंगी। ये भी सच हैं कि कुर्सी पर बेशक आतिशी बैठें, लेकिन चलाएंगे केजरीवाल ही? सरकार संचालन का रिमोट केजरीवाल के पास ही सदैव होगा। बहरहाल, अरविंद केजरीवाल अभी कोर्ट-कचहरी और कानूनी पचड़े में बुरी तरह से फंसे हुए हैं। आतिशी को दिल्ली की कमान सौंपने के पीछे एक वजह ये भी है कि वो महिला हैं इसलिए विपक्ष खासकर भाजपा खुलकर हमलावर नहीं होगी। पार्टी नेताओं की माने तो आतिशी को चुनाव तक के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच वो गड़बडाई पार्टी की स्थिति को कितना संभाल पाती हैं, ये उनके सामने कड़ी परीक्षा जैसी रहेगी। मुख्यमंत्री आतिशी के समक्ष चुनौतियां बेशक हजार हो, लेकिन पार्टी उनके पीछे खड़ी है। पार्टी उन्हें चुनाव तक धुंआधार पारी खेलने का मौका देगी। क्योंकि अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी की वापसी भी करवानी है। दिल्ली में पूर्व के मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल पर अगर नजर डाले, तो कईयों का बहुत अच्छा इतिहास और शानदार कार्यकाल रहा। आतिशी का कार्यकाल कई मायनों में यादगार रहेगा। पूरी उम्मीद है कि वह एक सफल सीएम होंगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को लेकर गहराती सुरक्षा चिंताएं

ऋतुपर्ण दवे

संचार क्रांति के दौर में दुनिया रोजाना नई-नई तकनीकों से रूबरू हो रही है। मोबाइल, जीपीएस, इंटरनेट व बिना ड्राइवर की गाड़ियां इस तकनीकी विकास का परिणाम है। अब कृत्रिम मेधा यानी एआई के इस युग में 1950 के जमाने में न्यूयॉर्क से निकले पेजर, 74 वर्ष बाद पहली बार और एक साथ सीरियल ब्लास्ट में तब्दील हो जाएंगे, भला किसने सोचा था? रेडियो फ्रिक्वेंसी पर चलने वाले पेजर का क्रेज अब न के बराबर है। लेकिन किसी पकड़ या सुराग के लिहाज से बेहद सुरक्षित पेजर का उपयोग आतंकी गतिविधियों में जरूर थोक में होने लगा। इसमें न जीपीएस होता है और न ही कोई आईपी एड्रेस, इसलिए लोकेशन ट्रेस होने का सवाल ही नहीं। इसका नंबर भी बदला जा सकता है। इसीलिए इसका पता लगाना आसान नहीं होता। बस इसी के चलते एक बड़े षड्यंत्र के तहत लेबनान में हर वो शख्स विस्फोट का शिकार हुआ जो साजिश के पेजर रखे हुए था।

चिन्ता की बात यह कि मामला पेजर तक नहीं रुका बल्कि रेडियो वॉकी-टॉकी जैसे दूसरी कम्युनिकेशन डिवाइस, यहां तक कि घरों में लगे सोलर सिस्टम, भी फटने की बातें सामने आईं। धमाकों का शक इस्त्राइल पर जताया जा रहा है। इन विस्फोटों को लेकर पूरी दुनिया हैरान है। इस्त्राइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी तनाव और बढ़ गया है। पूरे मिडल ईस्ट में युद्ध के खतरे की स्थिति बन चुकी है। वायरलेस उपकरणों में सीरियल विस्फोटों के बाद कई घरों, दुकानों व वाहनों में भी आग लग गई। एक तरह से पूरा क्षेत्र विस्फोटों की जद में आ गया। वहां अब लोग इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग को लेकर डरे हुए हैं। हर कोई हैरान है कि पेजर जैसा साधारण उपकरण बम में कैसे बदल गया? इसको लेकर पुख्ता तौर पर तो अभी किसी तरह की जानकारी सामने नहीं आयी है। लेकिन विस्फोट को लेकर तरह-तरह के कयास जरूर लग रहे हैं। मसलन पेजर में लगी लीथियम बैटरी शक के दायरे में है जो अत्यधिक गर्म होने पर फट सकती है। लेकिन इस थ्योरी पर भी ज्यादा भरोसा नहीं है।

वहीं दूसरी दमदार आशंका साजिश के पेजरों को बनाने के वक्त ही इनमें विस्फोटक छुपाने की है जिससे सप्लायर अनजान हो? यकीनन साजिश बहुत बड़ी रही जिसको लेकर किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

बैटरियों में खराबी या गुणवत्ता की कमी के चलते मोबाइल में विस्फोट तो हो जाते हैं। लेकिन एक तयशुदा वक्त पर रेडियो फ्रिक्वेंसी आधारित छोटे से उपकरण में सीरियल ब्लास्ट का ट्रिगर दबना-दबाना हैरान कर रहा है। क्या किसी कोडिंग से ऐसा हो पाया? या वजह कुछ और है? ऐसी तमाम बातों की पर्तों को खुलने में वक्त लगेगा। आखिर ऐसी कौन-सी रासायनिक शृंखला प्रतिक्रिया को अंजाम दिया गया जो अलग-अलग और काफी दूर-दूर तक ट्रिगर में बदल गई? हैकर ने ट्रिगरिंग सिग्नल भेजने के लिए कौन-सा तरीका अपनाया? फिलहाल केवल कयास हैं। रेडियो नेटवर्क से संचालित पेजर पर ऐसा कौन-सा सिग्नल भेजा गया जो बैटरियां गर्म हुईं और इतनी कि कथित तौर पर साथ रखे घातक विस्फोटक फटे। यहां एक सच जरूर है कि कुछ महीने पहले थोक में खरीदे पेजर ही फटे। ऐसे में उनमें खतरनाक ज्वलनशील विस्फोटक को छुपाने की थ्योरी जरूर बनती है। सच के लिए इंतजार करना होगा। लेकिन एक सवाल हर किसी के दिमाग में कौंधने लगा है कि अब मोबाइल या दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स कितने सुरक्षित हैं? कभी लिंक क्लिक करने से खाते खाली होना तो कभी हैक हो जाना, कभी क्लोनिंग के जरिये पूरा डेटा चुरा लेना जैसी घटनाओं को लेकर दुनिया भर में साइबर सिक्योरिटी पर न केवल जोर है बल्कि पूरी गंभीरता है। इसी बीच इतना बड़ा डिजिटल अटैक बहुत बड़ी चुनौती है। इस घटना को चाहे जो नाम दें, दो देशों की दुश्मनी या दुनिया में अशांति का जिम्मेदार बताएं लेकिन इसने संचार क्रांति के दौर में बड़े दुरुपयोग का बहुत ही बड़ा मैसेज जरूर दे दिया। युद्ध की नई तकनीक रूपी पेजर अटैक ने दुनियाभर के कम्युनिकेशन सिस्टम को बहुत बड़ी चुनौती दे डाली। छोटा-सा पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जिसे बीपर भी कहते हैं, इतना खतरनाक हो यह बेहद हैरानी वाली बात है।

अब इसे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर कहें, इलेक्ट्रो मैग्नेटिक सिग्नल का इस्तेमाल या कुछ और। रेडियो वेव से चलने वाले हजारों पेजर्स में, वॉकी-टॉकी में और फिर सोलर सिस्टम में थोक में हुए विस्फोट संचार क्रांति के लिए बड़ी चुनौती जरूर हैं। इसका भी डर है कि ऐसी घटनाओं की सूचनाएं कब कहां से आने लगें। दुनियाभर में घर-घर उपयोग हो रहे तमाम इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स वजह-बेवजह शक के दायरे में आ गए। यह नई चुनौती एकाएक आ खड़ी हुई है।

कोविड की समग्र वैक्सीन की तलाश में वैज्ञानिक

मुकुल व्यास

दुनिया में कोरोना वायरस का खौफ खत्म हो चुका है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हमें इस खतरनाक वायरस की मौजूदगी से बेफिक्र हो जाना चाहिए। यह वायरस निरंतर नई किस्मों में विकसित हो रहा है और नए म्यूटेशन अख्तियार कर रहा है। वायरस के नए उभरते हुए वेरिएंट वैज्ञानिकों और वैक्सीन निर्माताओं के समक्ष नई चुनौतियां पेश कर रहे हैं। मोडर्ना और फाइजर ने अपनी एमआरएनए आधारित वैक्सीन को अपडेट किया है जबकि नोवावैक्स की प्रोटीन आधारित वैक्सीन को एफडीए की मंजूरी मिल गई है। कुछ महीने पहले एस्ट्राजेनेका ने कुछ साइड इफेक्ट सामने आने के बाद अपनी वैक्सीन बाजार से वापस ले ली थी। इस समय उपलब्ध तमाम वैक्सीनें कोरोना वायरस के नए वेरिएंट और भविष्य के पेंडेमिक से निपटने में सक्षम नहीं हैं।

दरअसल, इन वैक्सीनों की सीमाओं को ध्यान में रखकर वैज्ञानिकों ने एक समग्र वैक्सीन विकसित करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। अमेरिका में आस्टिन स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एससी 27 नामक एंटीबॉडी की पहचान की है, जो कोविड-19 वायरस के सभी ज्ञात वेरिएंट को बेअसर करने में सक्षम है। यह खोज एक यूनिवर्सल वैक्सीन विकास और बेहतर उपचार की संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करती है। शोधकर्ताओं द्वारा खोजी गई एंटीबॉडी कोविड-19 के लिए जिम्मेदार वायरस, सार्सकोव-2 के सभी ज्ञात वेरिएंट और विभिन्न जानवरों में पाए जाने वाले कई अन्य सार्स जैसे कोरोना वायरस को बेअसर करने में सक्षम है। टेक्सास विश्वविद्यालय के नेतृत्व में विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं ने वायरस के खिलाफ हाइब्रिड इम्यूनिटी पर अध्ययन किया है। हाइब्रिड अथवा मिश्रित इम्यूनिटी उन लोगों में होती है जिन्हें वैक्सीन लग चुकी हो और साथ ही उनमें वायरस का हल्का संक्रमण भी हुआ हो। अध्ययन के दौरान अनुसंधान टीम ने एक मरीज से एससी 27 एंटीबॉडी की खोज की और उसे अलग किया।

एंटीबॉडी प्रतिक्रिया पर कई वर्षों के शोध में विकसित तकनीक का उपयोग करते हुए शोधकर्ताओं ने एंटीबॉडी का सटीक आणविक अनुक्रम प्राप्त किया। इससे भविष्य के उपचारों के लिए इस एंटीबॉडी को बड़े पैमाने पर बनाने का रास्ता खुल गया। इस अध्ययन में शामिल एक विज्ञानी जेसन लविंदर ने कहा, एससी 27 और भविष्य में इसके जैसी अन्य एंटीबॉडी की खोज से हमें वर्तमान और भविष्य के कोविड वेरिएंट के खिलाफ आबादी की बेहतर सुरक्षा करने में मदद मिलेगी। कोविड-19 की खोज के बाद चार साल के दौरान इस महामारी को पैदा करने वाले वायरस का तेजी से विकास हुआ है। इसके प्रत्येक नए वेरिएंट ने अलग-अलग विशेषताएं दर्शाई हैं जिनकी वजह से कई वेरिएंट टीकों और अन्य उपचारों के प्रति अधिक प्रतिरोधी हो गए हैं। सुरक्षात्मक एंटीबॉडी वायरस के एक हिस्से से बंधती है जिसे स्पाइक प्रोटीन कहा जाता है जो वायरस के शरीर में कोशिकाओं से जुड़ने और उन्हें संक्रमित करने के लिए एक एंकर पॉइंट के रूप में कार्य करता है। एंटीबॉडी स्पाइक प्रोटीन को अवरुद्ध करके, इस वायरस के संक्रमण को रोकती हैं।

एससी 27 की खूबी यह है कि यह कई कोविड वेरिएंट में स्पाइक प्रोटीन की विभिन्न विशेषताओं को पहचान लेती है। यद्यपि महामारी का सबसे बुरा दौर बीत चुका है, फिर भी लोगों को वायरस से बचने और उसका इलाज करने में मदद करने के लिए नवीन समाधानों की आवश्यकता है। इस दिशा में नई एंटीबॉडी की खोज एक महत्वपूर्ण कदम है। एक अन्य अध्ययन में कोरोना वायरस के बारे में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। यह वायरस वन्य जीव प्रजातियों में व्यापक रूप से फैला हुआ है। एक नए शोध के अनुसार छह आम प्रजातियों में यह वायरस पाया गया है। इसके अलावा वायरस के पिछले संपर्क को इंगित करने वाली एंटीबॉडी पांच प्रजातियों में पाई गई, जिनमें अलग-अलग प्रजातियों में जोखिम की दर 40 से 60 प्रतिशत तक थी। नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित वर्जीनिया टेक की रिसर्च के अनुसार जंगली जानवरों में आनुवंशिक निगरानी ने सार्स-कोव-2 की उपस्थिति की पुष्टि की। इस निगरानी ने वायरस के म्यूटेशन (आनुवंशिक परिवर्तन) की भी पुष्टि की जिनका संबंध उस समय मनुष्यों में प्रसारित होने वाले वेरिएंट से मिलती-जुलती किस्मों के साथ था। इससे वैज्ञानिकों की यह धारणा मजबूत हुई है कि मनुष्यों से जानवरों में इस वायरस का संचार हुआ है। वर्जीनिया टेक कैरिलियन (वीटीसी) के वैज्ञानिकों के अनुसार सार्सकोव-2 का सबसे अधिक संपर्क हाइकिंग वाले मार्गों और उच्च-यातायात वाले सार्वजनिक क्षेत्रों के आसपास के जानवरों में पाया गया। इससे पता चलता है कि यह वायरस मनुष्यों से वन्य जीवों में फैला। शोधकर्ताओं का कहना है कि ये निष्कर्ष वन्य जीवों में सार्सकोव-2 के नए म्यूटेशन की पहचान और व्यापक निगरानी की आवश्यकता को उजागर करते हैं। ये म्यूटेशन अधिक हानिकारक और संक्रामक हो सकते हैं, जिससे वैक्सीन विकास के लिए चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। वैज्ञानिकों ने जोर देकर कहा कि उन्हें जानवरों से मनुष्यों में वायरस के संचारित होने का कोई सबूत नहीं मिला है और लोगों को वन्य जीवों के साथ सामान्य संपर्क से नहीं डरना चाहिए। शोधकर्ताओं ने सक्रिय संक्रमण और पिछले संक्रमणों का संकेत देने वाले एंटीबॉडी के परीक्षण के लिए वर्जीनिया में जानवरों की 23 प्रजातियों की जांच की।

गर्मी में इन उपायों से खिल जाएगी त्वचा

गर्मी का मौसम शुरू होते ही हर किसी के चेहरा मुरझाने लगता है। इस मौसम में शारीरिक समस्याएं ज्यादा होती है। खासतौर पर जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनके लिए इस मौसम में काफी परेशानी होती है। गर्मी की वजह से त्वचा पर खुजली, रैशेज और लालिमा जैसी परेशानियां होने लगती हैं। इसके साथ-साथ जिन लोगों की त्वचा ड्राई होती है, वो भी इस मौसम में त्वचा के रूखेपन से काफी परेशान रहते हैं। इन्हीं सब दिक्कतों की वजह से त्वचा की चमक खोने सी लगती है। अगर आप इन परेशानियों से जूझ रहे हैं तो इन स्किन केयर तरीकों से त्वचा की देखभाल कर सकते हैं।

मास्क

गर्मी के इस मौसम में मास्क ही एक ऐसा उपाय है जो आपकी त्वचा को साफ रखने में मदद करेगा। आप चाहें तो इसके लिए घरेलू फेस मास्क भी इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर महिलाएं घरेलू मास्क लगाना नहीं चाहतीं हैं तो अपनी स्किन टोन के हिसाब से बाजार में मिलने वाले फेस मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। अक्सर देखा गया है कई लोग बेहतर परिणाम पाने के लिए अधिक मात्रा में फेस मास्क लगाते हैं। हालांकि इसे कोई फर्क नहीं पड़ता है। हमेशा सामान्य लेयर में साफ त्वचा पर फेस मास्क लगाना चाहिए। मास्क लगाते समय इस बात का ध्यान रखें कि किस समय में लगाना सही होगा। क्योंकि कुछ मास्क ओवरनाइट को देखते हुए बनाया जाता है।

सनस्क्रीन

अगर आपको लगता है कि सनस्क्रीन का इस्तेमाल सिर्फ तेज धूप में करना चाहिए तो आप गलत हैं। सूरज की हानिकारक किरणें बारिश में भी आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसे में हमेशा सनस्क्रीन का इस्तेमाल अपनी त्वचा पर करें। ये सूरज की हानिकारक किरणों से आपको बचाकर रखेगी। इससे स्किन कैंसर होने की संभावना भी कम हो सकती है। मौसम सर्दी, गर्मी या फिर बारिश का ही क्यों ना हो, सनस्क्रीन लोशन अप्लाई करना कभी ना भूलें। 30 एसपीएफ वाले सनस्क्रीन को दिन भर में कई बार यूज करके आप स्किन कैंसर के रिस्क को कम कर सकते हैं। बाहर अधिक समय रहते हैं तो प्रत्येक दो घंटे में इस क्रीम को लगाएं। यदि आप गर्मी के मौसम में स्किन प्रोटेक्शन के बिना ही घर से बाहर निकलते हैं तो धूप की हानिकारक किरणें त्वचा के कोलेजन, स्किन कोशिकाओं, स्किन एलास्टिसिटी को भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं। साथ ही आपकी त्वचा कम उम्र में ही बूढ़ी नजर आने लगेगी। स्किन डिस्कलरेशन, महीन लाइंस, झुर्रियां, डल, ड्राई, बेजान त्वचा से आप ग्रस्त हो सकते हैं।

क्लींजर और टोनर

इस मौसम में अपने पोर्स को अच्छी तरह से साफ करने के लिए आपको अच्छी क्वालिटी के क्लींजर का इस्तेमाल जरूर करें। इसके साथ ही त्वचा के लिए सही टोनर भी इस्तेमाल करें। इससे भी आपकी त्वचा खिल उठेगी। त्वचा को सही से हाइड्रेट करने के लिए आपको सही टोनर की जरूरत पड़ेगी। चेहरे पर टोनर का इस्तेमाल करने से फेसवॉश या क्लींजर की बची हुई अशुद्धियां पूरी तरह से साफ हो जाती हैं। यह रोमछिद्रों को साफ करने और मृत त्वचा कोशिकाओं की परतों को हटाने में मदद करता है। फेस टोनर एक पानी आधारित मिश्रण है जो आपकी त्वचा को हाइड्रेट करने और खोई हुई नमी को वापस लाने में मदद करता है। यह आपकी त्वचा को नमी प्रदान करके उसे मॉइस्चराइजर के लिए तैयार करता है और त्वचा की अवशोषण क्षमता को बढ़ाता है।

मॉइश्चराइजर है जरूरी

इस मौसम में हर किसी को मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। दरअसल, लोगों को लगता है कि बारिश में त्वचा में नमी अपने आप बरकरार रहेगी, जबकि ऐसा नहीं है। मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल हर मौसम में करना जरूरी होता है। मॉइश्चराइजर खरीदते वक्त अपने स्किन टाइप का ध्यान अवश्य रखें। इस मौसम में जेल या वॉटर बेस्ड मॉइश्चराइजर ही आपकी त्वचा को सुरक्षित रखेगा।

हंसना मना है

चचा वोट डालकर बाहर आए और पोलिंग एजेंट से पूछा- तेरी चाची वोट डाल गई क्या? एजेंट ने कहा-जी चचा वह वोट डाल गई! चचा भरे गले से बोले- जल्दी आता तो शायद मिल जाती! एजेंट- क्यों चचा आप साथ नहीं रहते? चचा- बेटा उसे मरे हुए 15 साल हो गए, हर बार वोट डालने आती है पर मिलती नहीं!

एक खरगोश रोज एक लोहार की दुकान पर जाता और पूछता गाजर है? लोहार इंकार कर देता। एक दिन लोहार को बहुत गुस्सा आया और उसने खरगोश के दांत तोड़ दिए। और कहा-अब तू गाजर खा के दिखा? अगले दिन खरगोश ने पूछा- गाजर का हलवा है?

नेता (भाषण देते हुए)-'हम इस देश के लिए अपनी जान भी दे देंगे। एक इंसान उठकर बोला-'आप महंगाई के खिलाफ क्यों नहीं लड़ते? नेताजी-'मुझे लड़ाई से बहुत ही डर लगता है।

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे स्टेशन-मास्टर से शिकायत की- चालीस मिनट हो गए हैं, गाड़ी आज तक नहीं पहुंची। स्टेशन-मास्टर ने कहा-'घबराइए नहीं, ये टिकट चौबीस घंटे तक चल सकता है।

कहानी | दान का खूबसूरत रूप

एक महिला ऑफिस बस से ही आती जाती थी। रोज की तरह उस दिन भी बस काफी देर से आई, पहले से ही बस काफी भरी हुई थी। तभी एक मजदूरन ने महिला को आवाज लगाकर अपनी सीट देते हुए कहा मेडम आप यहां बैठ जाइए। महिला ने धन्यवाद देते हुए उस सीट पर बैठकर राहत की सांस ली। लेकिन मजदूरन खड़ी रही। कुछ देर बाद मेरे पास वाली सीट खाली हुई, तो महिला ने उसे बैठने का इशारा किया। तब उसने एक महिला जिसकी गोद में एक बच्चा था उसे बैठा दिया। वो मजदूरन भीड़ की धक्का-मुक्की सहते हुए एक पोल को पकड़कर खड़ी थी। थोड़ी देर बाद बच्चे वाली औरत उतर गई। तो मजदूरन ने इस बार वही सीट एक बुजुर्ग को दे दी, महिला को आश्चर्य हुआ कि हम दिन-रात बस की सीट के लिए लड़ते हैं और ये सीट मिलती है और दूसरे को दे देती है। कुछ देर बाद वो बुजुर्ग भी उजर गए, तो महिला से पूछा, तुम्हें तो सीट मिल गई थी फिर भी तुमने सीट क्यों छोड़ी? तुम दिन भर ईंट-गारा ढोती हो, आराम की जरूरत तो तुम्हें भी होगी, उसने कहा, मैं भी थकती हूं। आप से पहले स्टॉप पर खड़ी थी, मेरे भी पैरों में दर्द होने लगा था।.. ..जब मैं बस में चढ़ी थी तब यही सीट खाली थी। मैंने देखा आपके पैरों में तकलीफ होने के कारण आप धीरे-धीरे बस में चढ़ी। ऐसे में मैंने अपको सीट दी। फिर उस बच्चे वाली महिला को सीट दी, बुजुर्ग के खड़े रहते मैं कैसे बैठती, सो उन्हें दे दी। मैंने उन्हें सीट देकर ढेरो आशीर्वाद पाए। कुछ देर का सफर है मैडम जी, सीट के लिए क्या लड़ना। वैसे भी सीट को बस में ही छोड़ कर जाना है, घर तो नहीं ले जाना ना। मैं ठहरी ईंट-गारा ढोने वाली, मेरे पास क्या है, न दान करने लायक धन है, कोई पुण्य कमाने लायक करने के लिए रास्ते से कचरा हटा देती हूं, रास्ते के पत्थर बटोर देती हूं, कभी कोई पौधा लगा देती हूं। यही है मेरे पास, यही करना मुझे आता है। महिला को उसकी बातों से एक सीख मिली कि हम बड़ा कुछ नहीं कर सकते तो समाज में एक छोटा सा, नगण्य दिखने वाला कार्य तो कर ही सकते हैं। ये उन लोगों के लिए सबक है जो अपना रूतबा दिखाने, अपनी प्रतिष्ठा का प्रदर्शन करने और आयकर बचाने के लिए अपनी काली कमाई को दान के नाम पर खपाते हैं, मैंने उस महिला को नमन किया तथा उससे सीख ली यदि हमें समाज के लिए कुछ करना हो, तो वो दिखावे के लिए नहीं बल्कि खुद की संतुष्टि के लिए हो।

7 अंतर खोजें

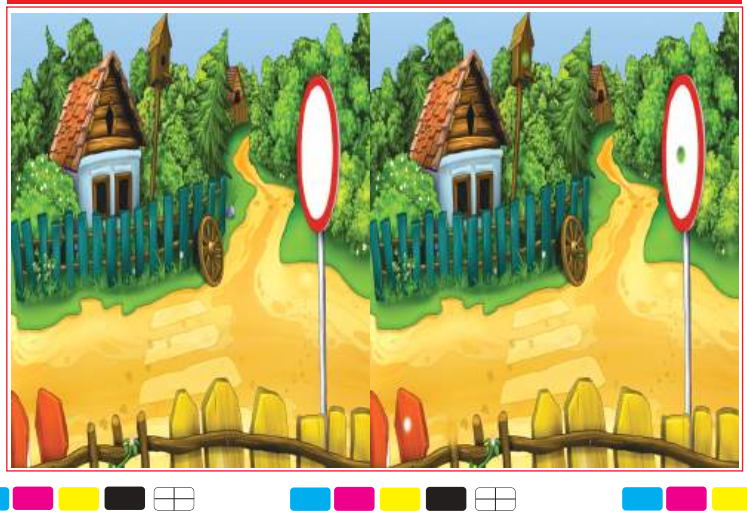

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज के दिन घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। यात्रा व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें। सम्मान व कीर्ति में वृद्धि होगी। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे।

वृषभ विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें।

मिथुन मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। संतान पर अनावश्यक रोक न लगाएं। धन लाभ होने की भी संभावना है। आज बुरी खबर मिल सकती है।

कर्क मेहनत का फल मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे।

सिंह व्यवसाय में लाभ मिलेगा। अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। प्रमाद न करें। विरोधी परास्त होंगे।

कन्या यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएंगे।

तुला आज क्रोध पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृश्चिक आज लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी।

धनु योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी।

मकर व्यवसाय में लाभ मिलेगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नए प्रस्ताव प्राप्त होंगे। सुखद यात्रा के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। विवाद समाप्त होने से शांति एवं सुख बढ़ेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मीन प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। व्यवसाय में लाभ मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद कर पाएंगे।

बिग बी की शॉल न लेने का आज भी है अफसोस: प्रीति

बॉलीवुड | मसाला

अभिनेत्री प्रीति झंगियानी ने 2000 के दशक में रिलीज हुई फिल्म 'मोहब्बतें' में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस फिल्म में उनकी भूमिका ने गहरी छाप छोड़ी। हाल ही में, अभिनेत्री ने फिल्म में महानायक अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के अनुभवों को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि अमिताभ बच्चन ने उन्हें शॉल दी थी, जिसे उन्होंने लेने से मना कर दिया था। हाल ही में अभिनेत्री ने इस घटना के बारे में साझा किया। उन्होंने बताया कि मॉडलिंग के दिनों से ही उनमें आत्मविश्वास था, और यह सहज रूप से कैमरे पर भी झलकता था। हालांकि, वह कैमरे के पीछे बहुत शर्मीली और अंतर्मुखी थीं। उन्होंने शूटिंग के दौरान की बात याद करते हुए कहा कि फिल्म की शूटिंग के दौरान फिल्म सिटी में कितनी ठंड थी। इस वजह से, अमिताभ बच्चन आए और उन्हें पहनने के लिए शॉल दी। हालांकि, उन्होंने इसे लेने से यह कहते हुए मना कर दिया, 'नहीं नहीं, मैं इसे नहीं ले सकती।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'फिर यश जी (यश चोपड़ा) मेरे पास आए और कहा, 'सुनो, अगर अमिताभ बच्चन मुझे वह शॉल देते, तो मैं इसे ले लेता, घर भाग जाता और उन्हें कभी वापस नहीं देता। मुझे आज भी इस बात का अफसोस है कि मैनें वह शॉल नहीं ली। अभिनेत्री ने अमिताभ बच्चन की तारीफ करते हुए उन्हें 'दिल से बच्चा' बताया। अभिनेत्री ने याद करते हुए कहा कि क्योंकि उन्होंने युवा कलाकारों से कहा था कि उन्हें 'बूढ़ों' के साथ न बैठाएं, क्योंकि वह उनके साथ बैठना चाहते थे और जानना चाहते थे कि वे 'क्या गपशप कर रहे हैं।' बता दें कि हाल ही में अभिनेत्री के पति अभिनेता परवीन डबास की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें वह बुरी तरह से घायल हो गए। हालांकि, उनकी स्थिति अब स्थिर है।

मैं माधुरी की हूं फैन: तृप्ति

फिल्म विक्की विद्या का वो वाला का दूसरा गाना मेरे महबूब रिलीज हो चुका है। सोमवार को इस गाने जारी करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नीले रंग के लहंगे में तृप्ति बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपने लुक को छोटी बालियों, कंगन और अंगूठियों के साथ पूरा किया। कम मेकअल और खुले बालों में तृप्ति की खूबसूरती देखते ही बन रही थी। तृप्ति ने एक कार्यक्रम में अपने पहले आइटम डांस को लेकर उत्साह व्यक्त किया। तृप्ति ने कहा कि वह माधुरी दीक्षित की बहुत बड़ी फैन रही हैं। उन्होंने कहा कि वह बचपन से ही उनके सभी गानों पर डांस करने की कोशिश करती थी। वहीं, राज शान्डिल्य ने तृप्ति की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत खुश हैं कि इतने अच्छे तरीके से यह गाना तैयार हो गया। वहीं, गाने को लेकर जब तृप्ति से सवाल किया गया कि इसे देखकर लोग गाने की तुलना टिप टिप बरसा पानी से कर रहे हैं इस पर उनका क्या कहना है। इसका जवाब देते हुए तृप्ति ने कहा कि मैं गाने के दोनों संस्करण देखे हैं, लेकिन इसकी तुलना उन दोनों गानों से नहीं की जानी चाहिए। कार्यक्रम में जब सचिन जिगर से पूछा गया कि 90 के दशक पर आधारित इस फिल्म के गानों को बनाते समय उन्होंने किसके म्यूजिक से प्रेरणा ली? इसका जवाब उन्होंने कहा कि फिल्म के बीट 100 फीसदी ओरिजनल हैं, लेकिन 90 के दशक के संगीतकार विजू शाह, नदीम-श्रवण और जतिन-ललित उनके आदर्श रहे हैं।

बोलीं- बचपन में उनके सभी गानों पर करती थी डांस

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो 90 के दशक के इर्द-गिर्द बुनी गई है। राज शांडिल्य के निर्देशन में बनी यह फिल्म 11 अक्टूबर, 2024 को भव्य रिलीज के लिए तैयार है। तृप्ति के आगामी प्रोजेक्ट की बात करें तो उनके पास कार्तिक आर्यन अभिनीत हॉरर-कॉमेडी भूल भुलैया 3 भी है। यह फिल्म दिवाली के मौके पर रिलीज होने जा रही है।

बॉलीवुड | मन की बात

वीर जारा की शूटिंग के दौरान शाहरुख का व्यवहार मेरे प्रति था खास: गुरदास

शाहरुख खान ने अपने करियर के दौरान एक से बढ़कर एक फिल्में की हैं। उन्हें उनके विनम्र स्वभाव, मजाकिया अंदाज और साफ विचारों के लिए काफी सराहना मिलती है। रितेश देशमुख, कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा और अभिनेता राघव जुयाल सहित कई फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी कई हस्तियों ने शाहरुख की तारीफ की है कि वो बेहद शानदार मेजबान हैं। हाल में पंजाब के लोकप्रिय गायक गुरदास मान ने भी उनकी तारीफ की है। गुरदास मान ने शाहरुख खान के अच्छे व्यवहार को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि कि साल 2004 में यश चोपड़ा की फिल्म वीर जारा की शूटिंग के दौरान शाहरुख का व्यवहार उनके प्रति बेहद खास था। उन्होंने कहा कि वह उनका काफी सम्मान करते थे। लोकप्रिय गायक ने याद करते हुए बताया कैसे वीर जारा की शूटिंग के दौरान शाहरुख ने उन्हें गले लगाया था। गुरदास मान ने कहा कि जिस तरह से शाहरुख ने उन्हें गले लगा के उठाया, तो उन्हें काफी सम्मानित महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि वह उनके साथ बहुत प्यार और सत्कार से पेश आए। गुरदास ने आगे कहा कि शाहरुख ने उन्हें जो भी वह खाना-पीना चाहते थे, वो सब का इंतजाम किया और खिलाया। इसके बाद वह उन्हें कार तक छोड़ने भी गए। गायक ने आगे कहा कि शाहरुख में काफी सम्मान और शिष्टाचार है। इस वजह से ही वह एक सच्चे कलाकार बन पाए। बताते चलें कि गुरदास मान ने इस फिल्म में लता मंगेशकर, उदित नारायण और प्रीता मजूमदार के साथ ऐसा देस है मेरा गाना गाया था। इसके अलावा उन्होंने मंगेशकर और नारायण के साथ लोहड़ी गाना भी गाया था। बताते चलें कि वीर जारा साल 2004 में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों से काफी प्यार मिला था। फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें शाहरुख खान, प्रीति जिंटा और रानी मुखर्जी मुख्य किरदारों में नजर आए थे। फिल्म की कहानी दो प्रेमियों, वीर प्रताप सिंह और जारा हयात खान के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भारत और पाकिस्तान से हैं और दशकों बाद फिर से मिलते हैं।

अजब-गजब | इस रेगिस्तान में मौजूद हैं रहस्यमयी पैरों के निशान

आज तक कोई नहीं जान पाया इनका रहस्य

पूरी दुनिया में आज भी ऐसे कई स्थान और रहस्य मौजूद हैं जिनके बारे में इंसान तो क्या वैज्ञानिक भी आज तक नहीं जान पाए। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक रेगिस्तान में मौजूद है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं अफ्रीका के नामीब रेगिस्तान में मौजूद लाखों गोलाकार पैर नुमा आकृतियों के बारे में। इन आकृतियों के बारे में कहा जाता है कि ये भगवान के पैरों के निशान है। दरअसल, दक्षिण-पश्चिमी अफ्रीका के अटलांटिक तट से लगा नामीब रेगिस्तान धरती के सबसे सूखे स्थानों में से एक है।

जिसको स्थानीय नामा भाषा में मतलब उस स्थान से हैं जहां कुछ भी न हो। ये रेगिस्तान मंगल ग्रह की तरह दिखाई देता है। जहां रेत के टीले हैं, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ हैं और 81 हजार वर्ग किलोमीटर में फैले बजरी के मैदान हैं। कहा जाता है कि ये रेगिस्तान पांच करोड़ 50 लाख साल पुराना है जो दुनिया का सबसे पुराना रेगिस्तान है। वहीं सहारा रेगिस्तान 20 से 70 लाख साल पहले का है। यहां गर्मियों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है और रातें इतनी ठंडी होती हैं कि बर्फ जम जाती है। ये स्थान बिल्कुल भी रहने लायक नहीं है। लेकिन कई प्रजातियों ने यहां पर अपने घर बनाए हैं। ये रेगिस्तान दक्षिणी अंगोला से नामीबिया होते हुए 2,000 किलोमीटर दूर दक्षिण अफ्रीका के उत्तरी हिस्से तक फैला है। नामीबिया के लंबे अटलांटिक तट पर समुद्र से मिलता है। ऐसा लगता है मानो पूरब की ओर रेत का अंतहीन समुद्र फैला हो, जो दक्षिण अफ्रीका के 160 किलोमीटर अंदर विशाल ढलान तक जाता है। इस रेगिस्तान के सबसे सूखे हिस्सों में साल में औसतन सिर्फ दो मिलीमीटर बारिश होती है। और कभी-कभी कई साल बिल्कुल बारिश नहीं होती। फिर भी ओरिक्स, स्प्रिंगबॉक, चीता, लकड़बग्घा, शुतुरमुर्ग और जेब्रा ने यहां की कठोर परिस्थितियों में खुद को ढाल लिया है। शुतुरमुर्ग पानी के नुकसान को कम करने के लिए अपने शरीर के तापमान को बढ़ा लेते हैं।

ये है दुनिया का सबसे खतरनाक रास्ता

जिनपर चलना तो दूर देखकर ही कांप जाते हैं लोग

सफर का मजा तब और बढ़ जाता है जब रास्ते खूबसूरत हो। जिसके दोनों ओर हरियाली हो और सड़क या रास्ते पर किसी तरह की गड्डे या ब्रेकर ना हो। दुनिया में कई ऐसी सड़कें हैं भी जो बेहद खूबसूरत हैं लेकिन कुछ सड़कें बहुत खतरनाक भी हैं। जिनपर चलना तो दूर लोग देखकर ही कांपने लगते हैं। आज हम आपको ऐसी ही सड़क के बारे में बताने जा रहे हैं जो दुनिया की सबसे खतरनाक सड़कों में से है। इन सड़कों पर रह वक्त मौत मंडराती रहती है। क्योंकि इन सड़कों से गुजरने वाला कभी भी मौत के मुंह में समा सकता है। यही वजह है कि इन खतरनाक और डरावने रास्तों पर चलना तो दूर देखने मात्र से ही लोगों की रूह कांप जाती है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं चीन के हुशान क्लिफसाइड पाथ हुशान के बारे में। जो यलो नदी के बेसिन के पास ऑरडॉस लूप सेक्शन के साउथवेस्ट में शानक्सी प्रांत के क्विनलिंग माउंटेंन्स के पूर्वी छोर पर स्थित है। यहां दो पैदल मार्ग 1614 मीटर की ऊंचाई पर हुशान की उत्तरी चोटी के लिए बने हुए हैं। यह हुआ शान यु के नाम से अधिक प्रसिद्ध है। यहां बहुत से पर्यटक आते हैं। सरकार ने यहां सुरक्षा के इंतजाम किए हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद यहां हर साल दुर्घटनाएं होती रहती हैं। यही नहीं चीन के हुनान प्रांत के युएयांग में चीन की स्पाइडरमैन की अमेजिंग आर्मी ने अपनी जिंदगी को दांव पर लगाकर 300 मीटर की ऊंचाई पर ये रास्ता बनाया है। इस खतरनाक रास्ते को देखकर ही लोगों की सांसें अटक जाती हैं।

अभिजीत के गानों से झूमे दर्शक

» रवींद्रालय में संगीतमय संध्या का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर के घसियारी मंडी इलाके में स्थित 161 साल पुराने काली बाड़ी मंदिर ने अपने स्थापना दिवस का जश्न संगीत के सुरों के साथ मनाया। बॉलीवुड गायक अभिजीत भट्टाचार्य ने मुख्य अतिथि और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की उपस्थिति में अपने हिट गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए पाठक ने कहा कि काली बाड़ी मंदिर ट्रस्ट का लखनऊ के इतिहास में योगदान उल्लेखनीय और अविस्मरणीय है।

यह जानकर प्रेरणा मिलती है कि धार्मिक कर्तव्यों को निभाने के अलावा, मंदिर ने विशेष रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सामाजिक कल्याण कार्य किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता सराहनीय है। ज्ञात हो कि लखनऊ के घसियारी स्थित यह मंदिर 1860 के दशक मे बना था। इसको बनाने का श्रेय काली मां के भक्त मधुसूदन बनर्जी को जाता है। कहा जाता है उन्हें मां ने सपने में दर्शन दिए और जहां आज मंदिर हैं वहां उसे स्थापित करने का आदेश दिया। उन्होंने उस जगह पर पांच मुंडो की आधारशीला पर मां की मुर्ति स्थापित की।

काली बाड़ी मंदिर ने मनाया स्थापना दिवस

बंगाली गीतों ने भी बांधा समा

इस संगीतमय कार्यक्रम में अभिजीत के लोकप्रिय गीत जैसे 'मैं कोई ऐसा गीत गाऊं', 'तुम दिल की धड़कन में', 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' आदि पर दर्शक झूम उठे। उन्होंने 'ढाकेर ताले कमर डोले' जैसे कई बंगाली गीत भी प्रस्तुत किए। अभिजीत के साथ उनके बेटे जय और एक अन्य गायिका देवजानी ऐच ने मिलकर इस संगीतमय शाम को और भी शानदार बना दिया।

सभी वर्गों के लोगों के लिए प्रेरणादायक है ट्रस्ट : ब्रजेश पाठक

डिप्टी सीएम ने स्मारिका का भी किया विमोचन

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा, यह ट्रस्ट सभी वर्गों के लोगों के लिए प्रेरणादायक है। काली बाड़ी मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी बोर्ड के अध्यक्ष अभिजीत सरकार ने ट्रस्ट की आध्यात्मिक और सामाजिक दोनों रूप से जनसेवा के संकल्प को दोहराते हुए कहा, जबकि हम लोगों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध हैं, मंदिर के विभिन्न कार्यों के लिए मुख्य प्रवेश द्वार के पास एक नई बहुमंजिला इमारत के निर्माण की सख्त आवश्यकता है। वांछित स्थान पर छोटे कमरों का एक परिसर स्थित है जिसके लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है, और हमें यकीन है कि भक्त और समर्थक इस प्रयास में ट्रस्ट का साथ देते रहेंगे। ट्रस्टी बोर्ड के सचिव देवाशीष मुखर्जी ने पत्रकारों को बताया कि ट्रस्ट अपने दानदाताओं और स्वयंसेवकों का आभारी है क्योंकि उनकी भक्ति ही मंदिर ट्रस्ट की विभिन्न उपलब्धियों के पीछे की प्रेरणा है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने मंदिर ट्रस्ट की 2024 की स्मारिका का भी विमोचन किया। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की शुभकामनाओं और संदेशों के साथ, इस दस्तावेज़ में ट्रस्ट से जुड़े लोगों द्वारा लिखी गई विभिन्न रचनाएँ प्रस्तुत की गईं।

भाजपा केवल झूठ, फूट और लूट की राजनीति करती है : दीपेंद्र हुड्डा

» बोले- प्रदेश में एक ही आवाज आ रही है कि बीजेपी जा रही है, कांग्रेस आ रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। रोहतक से सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा भाजपा केवल झूठ, फूट और लूट की राजनीति करती है। उसका एक ही सिद्धांत है कि झूठ बोलो, भाई को भाई से लड़ाकर, जाति, धर्म के नाम पर फूट डालो और जमकर लूटो। दीपेंद्र ने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार का केवल 2 हफ्तों का कार्यकाल बचा है। इस बार जनता भाजपा या भाजपा के वोटकाटू दलों को वोट देने की गलती नहीं करने वाली।

आज पूरे प्रदेश में एक ही आवाज आ रही है कि बीजेपी जा रही है, कांग्रेस आ रही है। विकास और खुशहाली की पटरी से उतारकर बेरोजगारी, अपराध, नशाखोरी, भ्रष्टाचार में नंबर 1 प्रदेश बना दिया है। बेरोजगारी से हताश युवा आज नशे की ओवरडोज से जान गंवा रहे हैं। तो पूरे हरियाणा में अंडरऐज शूटर निकल रहे हैं, नए-नए गैंग पनप रहे हैं।

फोटो :4 पीएम

धरना लखनऊ में राजस्व परिषद के मुख्यालय पर लेखपाल भर्ती अभ्यर्थियों ने 1921 पद पर भर्ती की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

गुस्साए छात्रों ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे किया जाम

» साइकिल सवार छात्र की बस से कुचलने से हुई मौत

» विद्यालय के विरुद्ध भी होगी कार्यवाही : सीओ कादीपुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। जिले के नेमपुर-दोस्तपुर मार्ग पर एक तेज रफ्तार बेकाबू निजी बस ने साइकिल सवार छात्र को रौंद दिया। छात्र की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी। घटना से नाराज ग्रामीणों ने पहले तो चालक को पीटा उसके बाद बंधक बनाकर बस में तोड़फोड़ के साथ पथराव भी किया। पसियापारा गांव का बारह वर्षीय छात्र लवकुश साइकिल से रामदेव सिंह इंटर कॉलेज पढ़ने जा रहा था, इसी बीच कामतागंज बाजार के बाद यह दुर्घटना हो गयी।

हादसे के बाद छात्र के परिजनों और ग्रामीणों ने रोड पर शव रखकर जाम लगा दिया उधर, दुर्घटना की जानकारी मिलने पर भारी संख्या में कालेज के छात्र भी मौके पर पहुंच गए और भड़क उठे। उन्होंने बास-बल्ली, कटीले तार, पत्थर आदि रखकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जाम कर दिया। घटना की सूचना पाते ही आस पास के ग्रामीणों का भी साथ छात्रों को मिलता गया और प्रदर्शन उग्र हो गया। एक्सप्रेसवे पर दूर-दूर तक वाहनों की लम्बी कतार लग गई। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी उन्हे समझाने में जुटे। गुस्साए छात्र, उन्हें समझाने आए पुलिस व प्रशासनिक अमले पर भी पथराव करने लगे। बता दें कि मृतक छात्र के पिता रामदीन की मौत बीमारी से छह माह पहले हो चुकी है। बड़ा भाई अभिषेक है। मां नीतू का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना की सूचना पर एसडीएम उत्तम तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह, सीओ कादीपुर विनय गौतम, सीओ जयसिंघपुर प्रशांत सिंह मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर कई थाने की पुलिस भी मौजूद रही।

दो घंटे तक पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर आवागमन ठप

करीब दो घंटे तक पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर आवागमन ठप रहा। काफी देर तक मान-मनौवल चला एसडीएम उत्तम तिवारी ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता दिलाने की बात कही। उसके बाद परिजन शव के पोस्टमार्टम को तैयार हुए। वही छात्रों द्वारा की गयी पत्थरबाजी में कुछ व्यक्ति चोटिल भी हुए। जाम को खुलवाने एवं भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को बल प्रयोग भी करना पड़ा।

मप्र में अराजकता सीएम ने साधी चुप्पी : पटवारी

» मुरैना में नौ साल की बच्ची से रेप पर कांग्रेस ने घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है हर दिन प्रदेश से किसी न किसी जिले से घटनाएं सामने आ रहीं हैं। दुष्कर्म के मामलों को लेकर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने बीजेपी सहित सीएम डॉ. मोहन यादव पर निशना साधते हुए कहा कि बढ़ते अपराधों पर मोहन यादव जी की चुप्पी बेहद चिंताजनक है। इसके साथ ही पटवारी ने कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए।

प्रदेश में लगातार हो रही मासूम बच्चियों के साथ घटनाओं को लेकर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि किचोल (अम्बाह) में 9 साल की बच्ची के साथ हुई बर्बरता ने पूरे प्रदेश को फिर से शर्मसार कर दिया। हर दिन मध्य प्रदेश में बेटियों पर हो रहे जघन्य अपराधों की खबरें दिल को झकझोर देती हैं। मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था का हाल लगातार बदतर होता जा रहा है और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर मोहन यादव जी की चुप्पी बेहद चिंताजनक है। मुरैना जिले में 9 साल की बच्ची को 30 साल के युवक ने हवस का शिकार बनाया। जिसकी शिकायत पीड़ित के परिजनों ने थाने जाकर की। बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है। उसे इलाज के लिए पोरसा उपस्वस्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफ़र किया गया है। वहीं पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार 9 वर्षीय नाबालिग बच्ची सुबह सुबह बकरी चराने गई थी। बच्ची को अकेले देखकर गांव के युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान बच्ची दर्द से तपड़ती और चीखती रही, बावजूद इसके आरोपी को उस पर तरस नहीं आया और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गया। बच्ची जब काफी देर तक घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने तलाशी शुरू की। तब जाकर बच्ची गांव के बाहर गंभीर हालत में पड़ी मिली।

प्रदेश की बेटियों की आजादी पर कुठाराघात

जीतू पटवारी ने आगे लिखा कि अपराधियों की हिम्मत और प्रशासन की नाकामी ने प्रदेश को असुरक्षा के घेरे में ला दिया है, जो मध्य प्रदेश की बेटियों की आज़ादी पर कुठाराघात है। सोए हुए सीएम मोहन यादव जी को जागना होगा आखिर कब तक प्रदेश की आधी आबादी आए दिन ऐसी वीभत्स घटनाओं का शिकार होती रहेगी और सरकार यह तमाशा देखती रहेगी?

केंद्र देश को गलत रास्ते पर ले जा रहा : केजरीवाल

» आप संयोजक ने चिट्ठी लिख संघ प्रमुख से पूछे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एकबार फिर पांच सवाल पूछे हैं। उन्होंने चिट्ठी में कहा कि ईडी-सीबीआई की धमकी देकर दूसरी पार्टी के नेताओं को तोड़ा जा रहा है। दूसरी पार्टियों की सरकारों को गिराया जा रहा है। क्या इस तरह से चुनी हुई सरकारें गिराना देश और लोकतंत्र के लिए सही है? केजरीवाल ने लिखा, मैं यह पत्र एक राजनैतिक पार्टी के नेता की हैसियत से नहीं लिख रहा हूं।

बल्कि इस देश के एक सामान्य नागरिक के तौर पर लिख रहा हूं। आज देश के हालात को लेकर मैं बहुत चिंतित हूं। जिस दिशा में भाजपा की केंद्र सरकार देश और राजनीति को ले जा रही है, यह पूरे देश के लिए हानिकारक है। अगर यही चलता रहा तो हमारा लोकतंत्र और देश खत्म हो जाएगा। पार्टियां तो आती-जाती रहेंगी, चुनाव आते-जाते रहेंगे, नेता आते-जाते रहेंगे, लेकिन भारत देश हमेशा रहेगा। इस देश का तिरंगा आसमान में गर्व से हमेशा लहराए, ये सुनिश्चित करना हमारी सबकी जिम्मेदार है। देशभर में तरह-तरह के लालच देकर या फिर ईडी-सीबीआई की धमकी देकर दूसरी पार्टी के नेताओं को तोड़ा जा रहा है, उनकी पार्टियों को तोड़ा जा रहा है और दूसरी पार्टियों की सरकारों को गिराया जा रहा है। क्या इस तरह से चुनी हुई सरकारें गिराना देश और देश के लोकतंत्र के लिए सही है? किसी भी तरह बेईमानी करके सत्ता हासिल करना, क्या आपको या आरएसएस को यह मंजूर है? देश के कुछ नेताओं को खुद प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह ने सार्वजनिक मंच से भ्रष्टाचारी कहा और उसके कुछ दिन बाद ही उन्हें भाजपा में शामिल करा लिया।

बोले- भाजपा पथ भ्रमित है, संघ सही रास्ते पर लाए

भाजपा वो पार्टी है जो आरएसएस की कोख से पैदा हुई। ये आरएसएस की जिम्मेदारी है कि यदि भाजपा पथ भ्रमित हो तो उसे सही रास्ते पर लाए। क्या आपने कभी प्रधानमंत्री को ये सब ग़लत काम करने से रोका?. जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव के दौरान कहा कि भाजपा को अब आरएसएस की जरूरत नहीं है। आरएसएस एक तरह से भाजपा की मां है। क्या बेटा इतना बड़ा हो गया कि मां को आंखें दिखाने लगा है? मुझे पता चला है कि जेपी नड्डा के इस बयान ने हर आरएसएस कार्यकर्ता को बेहद आहत किया। देश जानना चाहता है कि उनके बयान से आपके दिल पर क्या गुजरी?

75 साल का फॉर्मूला पीएम मोदी पर लागू हो

आप सबने मिलकर कानून बनाया कि 75 साल की उम्र के बाद भाजपा नेता रिटायर हो जाएंगे। इस कानून का खूब प्रचार किया गया और इसी कानून के तहत लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे कई कद्दावर भाजपा नेताओं को रिटायर किया गया। पिछले 10 वर्षों में इस कानून के तहत अन्य कई भाजपा नेताओं को रिटायर किया गया जैसे खंडूरी, शांता कुमार, सुमित्रा महाजन आदि। अब अमित शाह का कहना है कि वो कानून पीएम मोदी पर लागू नहीं होगा। क्या इस पर आपकी सहमति है कि जिस कानून के तहत लालकृष्ण आडवाणी को रिटायर किया गया, वो कानून अब पीएम मोदी पर लागू नहीं होगा? क्या सबके लिए कानून समान नहीं होना चाहिए?

फोन टैपिंग को लेकर केरल में बवाल

» राज्यपाल आरिफ बोले- बिना कानूनी अनुमति के कई लोगों के फोन किए गए टैप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल में फोन टैपिंग को लेकर बवाल मच गया है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सीएम को पत्र लिखकर आपत्ति की है। केरल के एडीजीपी अजित कुमार की जांच पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि मैंने पहले ही मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। मेरे लिए चिंता का विषय यह है कि बिना कानूनी अनुमति के कई लोगों के फोन टैप किए जा रहे हैं। त्रिशूर पूरम गड़बड़ी पर एडीजीपी की जांच रिपोर्ट पर डीजीपी द्वारा असहमति जताने के बाद कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई गई है।

सीपीआई मंत्री एडीजीपी अजीत कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर सकते हैं। नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक और व्यवसायी से नेता बने अनवर ने हाल ही में आरोप लगाया था कि एडीजीपी अजितकुमार मंत्रियों, राजनीतिक नेताओं और पत्रकारों के फोन टैप करते थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अजितकुमार के सोने की तस्करी करने वाले गिरोहों से करीबी संबंध थे और वह कई गंभीर अपराधों में शामिल थे। बीती 19 मई को आयोजित त्रिशूर पूरम में व्यवधान उत्पन्न किया गया और सरकार ने तत्कालीन नगर पुलिस आयुक्त तथा सहायक आयुक्त के विरुद्ध कार्रवाई की थी। ऐसा बताया जा रहा है कि एडीजीपी ने डीजीपी के समक्ष सीलबंद लिफाफे में जांच रिपोर्ट पेश की। खबरों के अनुसार अजित कुमार ने रिपोर्ट दायर की थी, जिसमें कथित तौर पर कहा गया है कि इसमें कोई बाहरी हस्तक्षेप नहीं था। कांग्रेस ने इस कथित रिपोर्ट की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पूरम को बाधित करने के लिए साजिशकर्ता ने स्वयं ही इस संबंध में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

गवर्नर ने सीएम को लिखा पत्र

कांग्रेस के साथ अब अपने भी उठाने लगे सवाल

केरल के एडीजीपी अजित कुमार की जांच पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि मैंने पहले ही मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। मेरे लिए चिंता का विषय यह है कि बिना कानूनी अनुमति के कई लोगों के फोन टैप किए जा रहे हैं। यह बुनियादी मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है और मैंने मुख्यमंत्री को लिखा है कि क्या सरकार ने उन रिपोर्टों का संज्ञान लिया है? यदि हां, तो इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है?

फोटो :4 पीएम

स्मृति दिवस मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चारबाग स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृतिका पर उनकी जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं कार्यक्रम को संबोधित किया। भाजपा ने इस अवसर को सदस्यता अभियान दिवस के रूप मनाने का फैसला किया।

वक्फ बिल सुझाव पर सियासत गरमाई

» जेपीसी के सदस्य निशिकांत दुबे ने गृह मंत्रालय से की जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को सुझाव के लिए 1 करोड़ से ज्यादा ईमेल मिले हैं। वहीं, जेपीसी को लिखित सुझाव भी मिले हैं, इस बीच जेपीसी के वरिष्ठ सदस्य निशिकांत दुबे ने दावा किया कि इन सुझावों के पीछे अंतरराष्ट्रीय साजिश की ओर इशारा करते हुए समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को पत्र लिखा है।

दुबे ने इसे लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय से भी जांच करने का अनुरोध किया है। जगदंबिका पाल को लिखे पत्र में आग्रह किया है कि इन गंभीर चिंताओं के मद्देनजर, जेपीसी को मिली सामग्रियों की जांच के लिए गृह मंत्रालय को अनुमति दें। दुबे ने सुझावों में कट्टरपंथी संगठनों, जाकिर नाइक जैसे व्यक्तियों और आईएसआई और चीन जैसी विदेशी शक्तियों की संभावित भूमिकाएं होने का आरोप लगाया है।

एआई का इस्तेमाल कर भेजे गए एक करोड़ से ज्यादा सुझाव

एक रिपोर्ट के अनुसार वक्फ संशोधन बिल को लेकर संयुक्त संसदीय समिति को मिले 1 करोड़ से ज्यादा ईमेल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले रिएक्शन का हिस्सा काफी बड़ा है। निशिकांत दुबे ने जेपीसी अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है कि वक्फ संशोधन बिल के लिए आए 1.25 करोड़ सुझावों की भाषा एक जैसी है। रिपोर्ट के मुताबिक ईमेल प्रतिक्रियाओं के अलावा वक्फ संशोधन बिल पर 75,000 से ज्यादा लिखित सुझाव और आपत्तियां भी मिली हैं।

भारत का कोई हिस्सा पाकिस्तान नहीं : चंद्रचूड़

» पक्षपात को दर्शाती है इस तरह की टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक मुकदमे के दौरान भारत के चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि कोई भी भारत के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकता। यह मूल रूप से राष्ट्र की संप्रभुता के विरुद्ध है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को अपने हाथ में लिया था और कर्नाटक हाई कोर्ट से कोंट्रोवर्शियल कमेंट पर रिपोर्ट मांगी थी।

सीजेआई की अगुवाई वाली पांच जजों की बेंच ने जस्टिस एस खन्ना, बी आर गवई, एस कांत और एच रॉय के साथ मिलकर 20 सितंबर को संवैधानिक अदालतों के जजों के लिए अदालत में उनकी टिप्पणियों के बारे में स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित करने की आवश्यकता जताई थी। चंद्रचूड़ ने कहा, इस तरह के कमेंट पर्सनल पक्षपात को दर्शाते हैं, खासकर जब उन्हें किसी खास जेंडर या समुदाय पर निर्देशित माना जाता है। इसलिए किसी को भी स्त्री-द्वेषी कमेंट करने से बचना चाहिए, हम एक खास जेंडर या समुदाय पर कमेंट के बारे में अपनी गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं और ऐसे कमेंट को नकारात्मक रूप में समझा जा सकता है हमें उम्मीद और भरोसा है कि सभी हितधारकों को सौंपी गई जिम्मेदारियों को बिना किसी पूर्वाग्रह और सावधानी के पूरा किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने आज कर्नाटक हाई कोर्ट के जज जस्टिस वेदव्यासाचार्य श्रीशानंद के खिलाफ चल रही कानूनी कार्यवाही को बंद कर दिया क्योंकि उन्होंने अदालती कार्यवाही के दौरान किए गए विवादास्पद कमेंट के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी। भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने पाच न्यायाधीशों की पीठ का नेतृत्व करते हुए कहा कि यह फैसला न्याय के हित में और न्यायपालिका की गरिमा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

जज की टिप्पणी पर नाराज हुए सीजेआई

मुस्लिम बाहुल इलाके को पाकिस्तान कहने पर उठा विवाद

न्यायमूर्ति श्रीशानंद ने मकान मालिक-किराएदार विवाद पर बेंगलुरु के एक मुस्लिम बहुल इलाके को पाकिस्तान कहा और एक महिला वकील को लेकर महिला विरोधी कमेंट किया था. उनका कमेंट, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, ने सर्वोच्च न्यायालय को कर्नाटक उच्च न्यायालय से एक रिपोर्ट मांगने के लिए मजबूर किया, जिसे घटना के तुरंत बाद प्रस्तुत किया गया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।